

students of the laser community together in one platform and act as a catalyst for increased interaction and cooperation among the delegates.

*Contributed by :
T. Ganguly (tapas@cat.ernet.in) and U.Nundy*

N.6 : Fourth Asian Particle Accelerator Conference APAC-07 held at RRCAT

The Fourth Asian Particle Accelerator Conference (APAC-2007) was held at Raja Ramanna Centre for Advanced Technology, Indore from 29th January to 2nd February, 2007. It was the first time that APAC series conference was hosted in India. APAC-2007 was organized by RRCAT under aegis of Asian Committee for Future Accelerators (ACFA), in collaboration with various accelerator centres and R&D institutes in India like Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai, Variable Energy Cyclotron Centre, Kolkata and Inter-University Accelerator Centre, New Delhi, with support from Department of Atomic Energy and Department of Science and Technology. The earlier APAC conferences were organized by KEK, Japan (APAC-98) followed by APAC-2001 conference at IHEP, China and APAC-2004 by PAL/POSTECH, Korea.

Dr. V.C.Sahni, Director RRCAT was the Conference Chairman. Shri S.Kotaiah, Project Manager Indus-2, was the Chairman of the Scientific Programme Committee and Local Organizing Committee, and Shri S.C.Joshi, RRCAT, was the Conference Coordinator.

The conference was inaugurated by Dr Anil Kakodkar, Chairman, Atomic Energy Commission and Secretary, Department of Atomic Energy. Scientists and engineers working in various fields of accelerator science and technology totaling 380, which include 171 participants from abroad participated in the conference. This conference covered various topics related to science, technology and utilization of accelerators. The Scientific Programme included 60 invited talks, 18 contributory oral presentations and 194 poster presentations. The invited and oral presentations were covered in plenary and parallel sessions which included accelerator technology, circular and linear colliders, synchrotron light sources and free electron lasers, hadron and lepton accelerators, beam dynamics and electromagnetic fields, beam instrumentation and feed back,



Fig: N.6 : Chairman AEC, Dr. Anil Kakodkar inaugurating APAC-07 by lighting a lamp.

applications of accelerator technology, technology transfer and industrial relations. There was a special session on building of international collaboration for mega accelerator projects. An industrial exhibition covering accelerator related components and sub-systems was held during the conference. A one day mini workshop on "Superconducting RF Cavities" was organised on 28th January, 2007, the day prior to this conference.

*Contributed by :
S.C. Joshi (scjoshi@cat.ernet.in) and S.Kotaiah*

N.7 : राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र में दिनांक 01.07.2006 से 31.03.2007 तक आयोजित हिन्दी की विभिन्न गतिविधियाँ

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में भी संवैधानिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी कदम उठाए गए हैं। केन्द्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने केन्द्र में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के सहयोग से हिन्दी की लोकप्रियता में संवृद्धि एवं प्रशासन में राजभाषा के उपयोग को बढ़ाने के क्षेत्र में ठोस कार्रवाई की। इस दिशा में किए गए कार्यों तथा प्रमुख उपलब्धियों का ब्यौरा निम्नानुसार है :

केन्द्र में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों के विभिन्न वर्गों के लिए उक्त अवधि के दौरान कुल 3 एक दिवसीय हिन्दी कार्यशालाएं क्रमशः दिनांक 13.7.2006, 19.12.2007 तथा 21.3.2007 को आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में लगभग 68 अधिकारियों/कर्मचारियों को सरकार की राजभाषा नीति, हिन्दी बर्तनी, पठवि

की गतिविधियाँ, लघु विनिर्माण, प्रशासन, पेंशन एवं लेखा से संबंधित विभिन्न मुद्दों, हिन्दी साफ्टवेयर आईएसएम, विभिन्न हिन्दी पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली आदि विषयों की पर्याप्त जानकारी दी गई ।

परमाणु ऊर्जा विभाग की इस केन्द्र में लागू हिन्दी प्रोत्साहन योजनाओं में हिन्दी टंकण में 2 तथा टिप्पण/आलेखन में 3 कुल 5 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया ।

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए गठित केन्द्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की कुल 3 बैठकें आयोजित की गई । बैठक में लिए गए निर्णयानुसार केन्द्र के प्रभागों/अनुभागों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक व्यापक निरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशासन प्रभाग के 2 अनुभागों का निरीक्षण दिनांक 8 तथा 9 जनवरी, 2007 को कर उनकी निरीक्षण रिपोर्ट परमाणु ऊर्जा विभाग, नई दिल्ली की संयुक्त निदेशक (राभा) को भेजी गई है ।

इस वर्ष के दौरान “दंत रोग एवं उनके निदान” विषय पर हिन्दी में एक चिकित्सा वार्ता तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा हिन्दी निबंध, टिप्पण/आलेखन, वर्ग पहेली, खुला प्रश्नमंच, हिन्दी टंकण, आशुभाषण, वाद-विवाद, कल्पना शक्ति, कहानी, प्रश्न मंच, सुगम संगीत आदि प्रतियोगिताओं का आयोजित किया गया और दिनांक 19 जनवरी 2007 को आयोजन हिन्दी पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर केंद्र की गृह पत्रिका “प्रगति” के 19 वें अंक का विमोचन मुख्य अतिथि डॉ. आर.वी. नांदेड़कर ने किया तथा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया ।

उपरोक्त अवधि के दौरान इंदौर स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो बैठकों का सफलतापूर्वक आयोजन दिनांक 29.8.06 तथा 24.01.07 को आर आर केट के निदेशक की अध्यक्षता में किया गया । बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार दिनांक 11.11.06 को प्रातः 10 बजे हिन्दी निबंध तथा 11.30 बजे हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सीमा-शुल्क व सेवा कर आयुक्तालय द्वारा प्रकाशित गृह पत्रिका ‘राजतरंगिणी’ को सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका के लिए राजभाषा शील्ड राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र की ओर से प्रदान की गई ।

केंद्र में दिनांक 24.2.2007 को मनाए गए विज्ञान दिवस के अवसर पर इंदौर स्थित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए विद्यार्थियों को केन्द्र में चल रही विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराने के लिए हिन्दी अनुभाग द्वारा हिन्दी में



चित्र 7 : जाल सभागृह, इंदौर में दिनांक 27.2.2007 को आयोजित “13 वीं एक दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी” में स्मारिका का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. आर. एस. सारस्वत, निदेशक, गोविन्दराम सेकसरीया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी एंड साइंस, इंदौर एवं आर आर केट के अन्य अधिकारीगण ।

एक विवरणिका तैयार की गई । इसी अवसर पर अतिचालकता चुंबक से संबंधित विषयों पर हिन्दी में पोस्टर तैयार किए गए । उक्त अवधि के दौरान कुल 14,209/- रूपए को हिन्दी पुस्तकें खरीदी गई ।

केन्द्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से दिनांक 27.2.2007 को विज्ञान एवं तकनीकी के अग्रणी क्षेत्रों में लेसर विषय पर तेरहवीं वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन इंदौर शहर के जाल सभागृह में किया गया । इस अवसर पर संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. आर. एस. सारस्वत, निदेशक, जी.एस.आय.टी.एस., इंदौर ने लेसर के महत्व को समझाते हुए स्मारिका का विमोचन भी किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पी.डी. गुप्ता स्थानापन्न निदेशक एवं प्रमुख, लेसर प्लाज्मा प्रभाग ने की ।

केन्द्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से केन्द्र के मुख्य सभागृह में होली की पूर्व संध्या पर दिनांक 2.3.2007 को हास्य व्यंग्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र के कवि तथा कलाकारों ने अपनी व्यंग्य रचनाओं के माध्यम से उपस्थित 500 से भी अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों को गद्गद् कर दिया । केंद्र द्वारा ही दिनांक 17.3.2007 को अंतरविभागीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें परमाणु ऊर्जा विभाग की विभिन्न यूनिटों, उपक्रमों तथा सहायता प्राप्त संस्थानों के प्रतिष्ठित कवियों तथा स्थानीय कवियों सहित कुल 12 कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया ।

प्रस्तुति :
जे. एन. सोनी